

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—वण्ड 3—उप-वण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

त्राधिकार से प्रकारिका PUBLISHED BY AUTHORITY

₩. 517] No. 517] नई बिल्पी, सोमबार, अगस्त 30, 1993/भात 8, 1915

NEW DELHI, MONDAY, AUGUST 30, 1993/BHADRA 8, 1915

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कायं विभाग)

(स्टांक एक्सचेंज प्रभाग)

श्रधिसूचना

नई दिल्ली, 30 भ्रगस्त, 1993

का.आ. 656(प्र).—-केन्द्रीय सरकार, पुणे गर्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, पुणे द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चास् ''एक्सचेंज' कहा गया है) प्रतिभृति संविदा (विनियमन) नियमावली, 1957 के नियम 7 के साथ पठित प्रतिभृति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 (1956 का 42वां) की धारा 3 के अंतर्गत मान्यता के नवीकरण के लिए दिए गए आवेदन-पत्न पर विचार करने और उस बात से समुख्ट होने के बाद, कि ऐसा करना व्यापार के हित में तथा लोकहित में भी होगा, उक्त अधिनियम की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतद्वारा

एक्सचेंज को जक्त धारा 4 के अधीन 2 सितम्बर, 1993 से आरम्भ होने वाली और 1 सितम्बर, 1998 को समाप्त होने वाली पांच वर्ष की अग्रेतर अवधि के लिए प्रतिभूतियों के संविदाओं के संबंध में ऐसी शतों के अधीन, यदि कोई हों जिन्हें केन्द्रीय सरकार समय-समय पर लगाती है, मान्यता प्रदान करती है।

[एफ. संख्या 1/54/एस. ई./93] थी. जी. नायक, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(Stock Exchange Division)
NOTIFICATION

New Delhi, the 30th August, 1993

S.O. 656(E).—The Central Government having considered the application for renewal of recognition made under section 3 of the Securities—Contracts (Regulation) Act, 1956, (42 of 1956), read with rule 7 of the Securities Contracts (regulation) Rules, 1957, by the Pune Stock Exchange Limited, Pune (hereinafter referred to as the 'Exchange') and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by section 4 of the said Act, recognition to the Exchange under the said section 4 for a further period of five years commencing on the 2nd day of September, 1995 and ending with the 1st day of September 1998 in respect of contracts in securities subject to such conditions, if any, as the Central Government may from time to time impose.

[F. No. 1|54|SE|93]P. J. NAYAK, Jt. Secy.